MAHD-08

December - Examination 2019

M.A. (Final) Hindi Examination

आधुनिक हिन्दी कविता और गीत–परम्परा

Paper - MAHD-08

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) नई कविता से आपका क्या अभिप्राय है?

(ii) 'कनुप्रिया' के रचनाकार का नाम बताइए।

(iii) मुक्तिबोध की दो रचनाओं के नाम लिखिए।

(iv) 'तारसप्तक'का संपादन किसने किया?

(v) 'महाप्रस्थान' का काव्यरूप लिखिए।

(vi) शमशेर बहादुर सिंह की भाषागत दो विशेषताएं लिखिए।

(vii) नंदकिशोर आचार्य की दो कृतियों के नाम लिखिए।

(viii) सोहनलाल द्विवेदी किस काव्यधारा के कवि हैं?

खण्ड – ब **$4 \times 8 = 32$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

पता नहीं
किस इतिहास–प्रतीक्षा में
यहाँ शताब्दियाँ भी लेटी हैं
हिम थुल्मों में।
शिवा की गौर–प्रलम्ब भुजाओं सी
पवर्त–मालाएँ
नभ के नील पटल पर
पृथिवी–सूक्त लिख रहीं।
नीलमवर्णी नभ के
इस ब्रह्माण्ड–सिन्धु में
हिम का राशिभूत
यह ज्वार

शिखर, प्रतिशखर

गगनाकुला

3) निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

भूलग़लती –

आज बैठी है ज़िरहबख्तर पहनकर

तख्त पर दिल के,

चमकते हैं खड़े हथियार उसके दूर तक,

आँखें चिलकती हैं नुकीले तेज पत्थर सी,

खड़ी हैं सिर झुकाए

सब कतारें

बेजुबाँ बेबस सलाम में,

अनगिनत खम्भों व मेहराबों में

दरबारे आम में।

4) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

गुदना गुदाए, स्वस्थ मांसल पिंडलियाँ थिरकती

ढोल, मादल, बाँसुरी पर नाचती थी,

पलक झुका गीले केश फैलाए,

रामायण की कथा बाँचती थी,

ठाकुरद्वारे में कीर्तन करती थी,

आरती–सी दिपती थी

चंदन–सी जुड़ती थी

प्रसाद–सी मिलती थी

चरणामुत–सी व्याकुल होंठों से लगकर

रग–रग में व्याप जाती थी।

सुनो! सुनो!

यहीं कहीं एक कच्ची सड़क थी

जो मेरे गाँव को जाती थी।

अब वह कहाँ गयी।

5) मुक्तिबोध के काव्य में फैंटेसी शिल्प का प्रयोग किस तरह हुआ है? लिखिए।

6) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की कविताओं के सौन्दर्य बोध का विवेचन कीजिए।

7) सोहनलाल द्विवेदी के गीतों में राष्ट्रीयता के स्वर को किस तरह अभिव्यक्ति मिली? लिखिए।

8) गीत परंपरा में नीरज का स्थान निर्धारित कीजिए।

9) नंदकिशोर आचार्य की काव्य संवेदना पर टिप्पणी कीजिए।

खण्ड – स $2 \times 16 = 32$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) महाप्रस्थान काव्य के आधार पर नरेश मेहता के कवित्त्व का मूल्यांकन कीजिए।

11) धर्मवीर भारती के काव्य की अनुभूति और अभिव्यक्ति पक्ष की विवेचना कीजिए।

12) 'भवानी प्रसाद मिश्र एक सफल गीतकार थे।' कथन को प्रमाणित कीजिए।

13) किन्हीं दो पर टिप्पणी कीजिए–

(i) नई कविता का शिल्प विधान

(ii) गिरिजा कुमार माथुर का काव्य

(iii) गीत का स्वरूप

(iv) वीरेंद्र मिश्र के गीतों की संवेदना